डी.डब्लयू.एम.

सत्रीय कार्य पुस्तिका

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए सत्रीय कार्य

जलसंभर प्रबंधन में डिप्लोमा (डी.डब्लयू.एम.)

(यह कार्यक्रम भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है।)

टिप्पणीः विद्यार्थियों से अनुरोध है, कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य/प्रश्नों, निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंश और उपअंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर अपने शब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर अध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये है उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द पर या अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते है। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी नहीं है।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068
2024-25

प्रिय विद्यार्थियों,

जलसंभर प्रबंधन में डिप्लोमा (डी.डब्लयू.एम.) कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

हम आशा करते है कि आपने डी.डब्लयू.एम. कार्यक्रम दर्शिका को भलीभांति पढ़ लिया होगा। इग्नू की सत्रांत परीक्षा देने के योग्य बनने हेतु आपको निर्धारित समय में सत्रीय कार्यों को पूरा करना जरूरी है। डी.डब्लयू.एम. में सभी सत्रीय कार्य अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य हैं और सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया का भाग हैं। सैद्धान्तिक अंतिम चरण परीक्षा के लिए 80ः महत्व तथा 20ः महत्व सत्रीय कार्य (सत्रीय कार्य) का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य होगा (ठछत्व्108 के अतिरिक्त), अर्थात् कार्यक्रम के लिए कुल सात सत्रीय कार्य होंगे। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंक का होगा जिसे अंततः सैद्धान्तिक घटक के 20ः में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य शुरू करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त अनुदेशों को पढ़ें और पाठ्यक्रम सामग्री का भी ध्यानपूर्वक अध्ययन करें। कृपया अपने उत्तर लिखने से पहले सत्रीय कार्यों से संबंधित अनुदेशों को पढ़ें।
2. पहले पाठ्यक्रम सामग्री को भलीभांति पढ़ें और तत्पश्चात् अनुदेशों को ध्यान में रखते हुए सत्रीय कार्यों के उत्तर दें। आपका उत्तर, स्व–अध्ययन उद्देश्यों हेतु प्रदत्त पाठ्य सामग्री/खंडों की हुबहु नक्ल नहीं होना चाहिए।
3. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें। अपनी अभ्यास पुस्तिका के षीर्श, तले तथा बायी ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़े। उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।
4. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजें।
5. हम बलपूवर्क सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य अतुक्रिया की एक प्रति सुरक्षित रखें।
6. अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना निम्न आरुप में दिजिऐः

नामांकन संख्याः .....

नामः .....

पताः.....

.....

.....

पाठ्यक्रम नियमावलीः .....

पाठ्यक्रम शीर्षकः .....

अध्ययन केंद्र :..... दिनांकः .....

(नाम तथा नामावली)

---

7. यदि पाठ्यक्रम एवं सत्रीय कार्यों से संबंधित आपकी कोई शंका या समस्या है तो कृषि विद्यापीठ में हमसे संपर्क कीजिऐं।

कृपया निर्धारित देय तारीख से पहले अपना सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करावा दें।

पाठ्यक्रम कोड	जुलाई 2024 सत्र के लिए अंतिम तिथि	जनवरी 2025 सत्र के लिए अंतिम तिथि
BNRI-101 and BNRI-102	31 अक्टूबर 2024 से पूर्व	31 मई 2025 से पूर्व
BNRI-103 and BNRI-104	31 दिसंबर 2024 से पूर्व	31 जुलाई 2025 से पूर्व
BNRI-105, BNRI-106 and BNRI0-107	28 फरवरी 2025 से पूर्व	25 सितम्बर 2025 से पूर्व

शुभकामनाओं सहति।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–101
पाठ्यक्रम शीर्षकः जलसंभर प्रबंधन के मौलिक सिद्धान्त

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. जलसंभर प्रबंधन को परिभाषित कीजिए। जलसंभर प्रबंधन कार्य योजना में क्या शामिल है?
2. एकीकृत जलसंभर प्रबंधन क्या है? जलसंभर प्रबंधन की संस्थागत व्यवस्था के लिए प्रवाह आरेख का उपयोग करके व्याख्या कीजिए।
3. जलसंभर कार्यक्रमों में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका पर उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए।
4. सूचना प्रौद्योगिकी जलसंभर प्रबंधन में किस प्रकार सहायता करती है?
5. सफल जलसंभर प्रबंधन के दो भौतिक, प्राकृतिक संसाधन संकेतकों और दो सामाजिक–आर्थिक संकेतकों की पहचान कीजिए और उनकी व्याख्या कीजिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–102
पाठ्यक्रम शीर्षकः जलविज्ञान के मूल धटक

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. वर्षा के विभिन्न रूपों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. कृत्रिम वर्षा क्या है? यह वर्तमान में सूखे से जूझ रहे क्षेत्रों को कैसे लाभ पहुंचा सकती है, व्याख्या कीजिए।
3. रिसाव, वाष्पोत्सर्जन और वाष्पीकरण को परिभाषित कीजिए। वाष्पीकरण और वाष्पोत्सर्जन को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या कीजिए।
4. पाइप प्रवाह में शीर्ष हानियाँ क्या है? पाइप प्रवाह में शीर्ष हानि समीकरण को विभिन्न पदों सहित लिखिए।
5. आयताकार और बेलनाकार टैंकों की भंडारण क्षमता का अनुमान कैसे लगाया जा सकता है, व्याख्या कीजिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–103
पाठ्यक्रम शीर्षकः मृदा और जलसंरक्षण

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. मृदा अपरदन को परिभाषित कीजिए। मृदा अपरदन के प्रमुख कारण लिखिए।
2. जल अपरदन के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए। रिल अपरदन और नाली अपरदन के बारे में विस्तार से बताएं।
3. मृदा क्षति को परिभाषित कीजिए। सार्वत्रिक मृदा क्षति समीकरण का इसके विभिन्न विभिन्न पदों के साथ वर्णन कीजिए।
4. बेंच टेरेसिंग क्या है? मृदा अपरदन को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के बेंच टेरेसिंग का वर्णन कीजिए।
5. वर्तमान समय में वर्षा जल संचयन के महत्व पर चर्चा कीजिए। छत वर्षाजल संचयन प्रणाली के विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–104
पाठ्यक्रम शीर्षकः बारानी खेती

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. जल उपयोग दक्षता क्या है? जल उपयोग दक्षता को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।
2. जलवायु और मौसम को परिभाषित कीजिए। मौसम पूर्वानुमान और उसके मॉडलों के बारे में बताएं।
3. एकीकृत कृषि प्रणाली की व्याख्या उपयुक्त उदाहरण का उपयोग करके कीजिए।
4. आईएनएम (INM) क्या है? जैविक और जैव–उर्वरकों के बीच अंतर बताएं।
5. हरी खाद को परिभाषित कीजिए। हरी खाद के प्रकार और तरीकों की व्याख्या कीजिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–105
पाठ्यक्रम शीर्षकः पशुधन एवं चरागाह प्रबंधन

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के महत्व को समझाइए?
2. मिश्रित कृषि प्रणाली को परिभाषित कीजिए। मुर्गीपालन एवं मछलीपालन किस प्रकार किसानों की आजीविका में सुधार ला सकता है, व्याख्या कीजिए।।
3. दूध के संदूषण के स्रोत क्या हैं? स्वच्छ दूध उत्पादन के उपाय का वर्णन

कीजिए।

4. मदकाल में गाय द्वारा प्रदर्शित शारीरिक और व्यवहारिक लक्षण क्या हैं?
5. पशुओं में होने वाले किन्हीं दो जीवाणु, कवकीय और विषाणुजनित रोगों का उल्लेख कीजिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई.–106
पाठ्यक्रम शीर्षकः बागवानी एवं कृषि–वानिकी प्रणालीयाँ

अधिकतम अंकः 50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. जलसंभर क्षेत्र में कृषि वानिकी का महत्व एवं दायरा लिखिए।
2. कम लागत और कम ऊर्जा वाले ग्रीनहाउस के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. किन्हीं पांच फलों और किन्हीं पांच सब्जी फसलों के लिए मिट्टी और पर्यावरण संबंधी आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।
4. फलों के रस तैयार करने की प्रक्रिया लिखिए। जूस के संरक्षण के तरीकों की व्याख्या कीजिए।
5. फल और सब्जी विपणन का महत्व बताइए। फल और सब्जी विपणन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

पाठ्यक्रम कोडः बी.एन.आर.आई–107
पाठ्यक्रम शीर्षकः निधीयन, अनुवीक्षण, मूल्याकंन एवं क्षमता निर्माण

अधिकतम अंक –50

टिप्पणीः सभी प्रश्नों के दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. जलसंभर विकास निधि क्या है? जलसंभर विकास परियोजना में इसकी भूमिका बताएं?
2. भारत में जिला एवं मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत राज संस्थाएं जलसंभर विकास कार्यक्रमों में किस प्रकार योगदान देती हैं?
3. सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (PRA) और त्वरित ग्रामीण मूल्यांकन (RRA) के बीच अंतर बताइए। सहभागी उपकरणों की सूची बनाइए।
4. जलसंभर विस्तार कार्यक्रमों में संचार किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?
5. जलसंभर कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षमता निर्माण क्यों महत्वपूर्ण है?